Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding demand of new tribal states-laid.

श्री नव कुमार सरनीया (कोकराझार): आदिवासी (ST) लोगों को बहुत से प्रदेशो में संवैधानिक सुरक्षा मिली हुई हैं उसके वावजूद आज भी वे अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करता हैं । उसका उदाहरण है असम, मणिपुर, नागालैंड में हुए सहस्त्र संग्राम और त्रिपुरा का टिपरालैंड की डिमांड एवं देश के राजधानी जंतर मंतर तक आंदोलन पहुंचना । छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिसा में भी इन आदिवासियों ने सहस्त्र संग्राम में भाग लिया । वहीं असम के छ: समुदायों का जनजातिकरण का मामला भी इसी के तहत आते हैं ।

इसलिए मेरी मांग हैं कि त्रिपुरा के टिपरालैंड का डिमांड हो या उल्फा का कथित अपना स्वाधिकार का मांग हो उसको सकारात्मक नजरिये से समाधान करने के लिए निर्धारित समय के भीतर समाधान करना चाहिए ।